दिन– रविवार दिनांक– 29/09/2024

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– प्रातः 08.48 बजे से। अवधिः– 15 मिनट

---

01. कोसी और गंडक बराज से बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के बाद बाढ़ की आशंका के मद्देनजर तेरह जिलों में हाई अलर्ट। कई निचले इलाकों में फैला बाढ़ का पानी।

02. कोसी बराज पर दबाव के बाद वीरपुर में भारत–नेपाल सीमा पर आवागमन रोका गया। शिवहर में बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर पहुंचा।

03. मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वज्रपात की आशंका को देखते हुये लोगों से सतर्कता बरतने की अपील।

04. और, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।

प्रदेश में कोसी और गंडक नदी के बराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण क ई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। पिछले चार दिनों से नेपाल और उत्तरी बिहार में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते गंडक, कोसी, महानंदा और इनकी अन्य सहायक नदियां उफान पर हैं। इसे देखते हुए तेरह ज़िलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, राज्य के बीस प्रखंडों में एक लाख चालीस हज़ार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। पानी के दबाव को कम करने के लिए सुपौल जिले में कोसी बराज के सभी छप्पन गेट खोल दिए गए हैं। कोसी बराज से छह लाख क्यूसिक से अधिक पानी छोड़ा गया है, जो कि पिछले छप्पन वर्षों में सबसे अधिक है। वीरपुर में पानी की अधिकता को देखते हुए भारत–नेपाल सड़क को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। वहीं, वाल्मीकिनगर गंडक बराज से साढ़े पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है। बराज के सभी छत्तीस गेट खोल दिए गए हैं। बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के तेरह जिलों के एक सौ चालीस ग्राम पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ की आशंका को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने पटना में चौबीस घंटे कार्यरत रहने वाला वार रूम बनाया है। हमारे संवाददाता ने बताया कि इसमें नब्बे इंजीनियरों को पदस्थापित किया गया है। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने सभी जिलाधिकारियों को फीडबैक देने को कहा है।

———बाइट———

हमारे संवाददाताओं ने बताया है कि सुपौल, सहरसा, मधुबनी, कटिहार, अररिया, पूर्वी तथा पश्चिमी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी जिलों के अधिकांश इलाके बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ की आशंका को देखते हुए सहरसा जिले में चार प्रखंड सिमरी बख्तियारपुर, नौहट्टा, सलखुआ और महिषी में सतर्कता बढ़ा दी गयी है। एक रिपोर्ट–

———बाइट———

कोसी नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण नवहट्टा प्रखंड में बाढ़ का पानी फैल गया है। स्थानीय लोग सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर शरण ले रहे हैं। प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति में सामुदायिक किचन, फूड पैकेट वितरण के लिए दो नाव को चिन्हित करने और दो कर्मी को प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। लोगों के निष्कासन के लिए 52 नाव की व्यवस्था की गई है। जिसका परिचालन सात पंचायत से लोगों के लिए किया जा रहा है। बराज से निकला पानी आज महिषी प्रखंड से गुजरेगा जिसके लिए डीएम ने सभी लोगों को बाहर निकल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का आग्रह किया है।आकाशवाणी समाचार के लिए सहरसा से आरती कुमारी।

सहरसा के जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने आकाशवाणी समाचार को बताया कि निचले इलाकों में बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

———बाइट———

सुपौल जिले में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से विभिन्न क्षेत्रों में जन जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। जिला प्रशासन की ओर से मौजूदा हालात के मद्देनजर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को कहा जा रहा है।

———बाइट———

कोसी बराज से साढ़े छह लाख क्यूसेक से अधिक का डिस्चार्ज हो रहा है और बराज के सभी फाटक खोल दिये गये हैं। बराज पुल पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से परिवहन और पैदल चलने वाले लोगों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है। किसी भी वाहन की अनुमति नहीं है। केवल आपातकालीन वाहन, एम्बुलेंस और अग्निशामकों की अनुमति को दी गई है। भारी डिस्चार्ज को देखते तटबंधों की निगरानी बढा दी गयी है। तटबंध के किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। शिविर में लोगों के लिए सामुदायिक रसोई की व्यवस्था की गयी है। सुपौल से आकाशवाणी समाचार के लिए रविशंकर चौधरी।

शिवहर जिले में बागमती नदी में उफान के कारण बागमती तटबंध पर दबाव बढ़ गया है। पिपराही और पुरनहिया प्रखंड में ज्यादा असर है। जल संसाधन विभाग तटबंधों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रहा है। जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क करते हुये सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। एक रिपोर्ट––

———बाइट———

बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से एक मीटर 20 सेन्टीमीटर ऊपर बह रही है। बागमती तटबंध पर पानी का दबाव काफी बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग तटबंधों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रहा है। पिपराही प्रखंड के बेलवा घाट से लेकर डुबाघाट तक दोनों तटबंध के अंदर लगाए गए धान की फसल के अलावा केला, बांस, शीशम, सेमल के पेड़ कटाव से नदी की धारा में विलीन हो रही है। पिपराही ,रतनपुर और उकनी गांव

के समीप कटाव काफी बढ़ गया है। इधर पुरनहिया प्रखंड के बरही जगदीश गांव किस सड़क के ऊपर से बाढ़ का पानी बहने लगा है जिससे गांव का सड़क संपर्क भंग हो गया है। आकाशवाणी समाचार के लिए शिवहर से हरिकांत सिंह।

पश्चिम चंपारण जिले में गंडक, सिकरहना, मसान, हडबोडा, पंडई सहित सभी नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। एक रिपोर्ट...

———बाइट———

पिछले 48 घंटो से जिले में बारिश के कारण गंडक, सिकरहना, मशान, हडबोडा, पंडई सहित सभी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। वाल्मीकि नगर गंडक बराज से आज सुबह 7 बजे 5 लाख 29 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोडा गया। जिला प्रशासन ने गंडक नदी के किनारे बसे लोगों को ऊपर के स्थानों पर जाने को कहा है। जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने चंपारण तटबंध, पीपी तटबंध की सुरक्षा के लिये सभी अभियंताओं को चौबीसों घंटे ड्यूटी कर तटबंध की सुरक्षा करने का निर्देश दिया है। आकाशवाणी समाचार के लिए पश्चिम चम्पारण के लिए आशीष कुमार।

अररिया जिले में भी जिला – प्रशासन ने बाढ़ की आशंका को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी है। जिला पदाधिकारी अनिल कुमार ने एहतियातन सभी प्रखंड़ों में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी है। तटबंधों और निचले इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने जोकीहाट, कुर्साकांटा, सिकटी और पलासी क्षेत्र का भ्रमण किया। किशनगंज में भी बरसाती नदियां उफान पर हैं। इधर, कटिहार जिले में लगातार हो रही बारिश और कोसी नदी में पानी छोड़े जाने के कारण कोसी और महानंदा नदी का जलस्तर एक बार फिर से खतरे के निशान को पार कर चुका है। जिससे बलरामपुर क्षेत्र के निचले इलाके में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिससे लुत्तीपुर, बिजौल, कमरा, किरोरा पंचायत प्रभावित हो गया है। साथ ही आदमपुर– कुरुम मार्ग भी बाधित हो गया है।

———————————————————————

पश्चिमी चंपारण जिले में विभिन्न क्षेत्रों में भारी बारिश और जल जमाव को देखते हुए रेलवे ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि पूरी तरह चौकसी बरती जा रही है। ट्रैक मेंटनेंस विभाग के कर्मी पटरियों पर गश्त कर रहे हैं।

———————————————————————

मॉनसून की अति सक्रियता के कारण पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सुपौल, किशनगंज समेत राज्य के उत्तर–पश्चिम और उत्तर–पूर्व भागों में कई स्थानों पर भारी बारिश का सिलसिला जारी है। वहीं, मौसम विभाग ने आज पटना, दरभंगा, सीवान, सहरसा, मधेपुरा समेत राज्य के पन्द्रह जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केन्द्र, पटना के वैज्ञानिक ने अगले अड़तालीस घंटों के दौरान

राज्य के कई हिस्सों में बहुत भारी बारिश की आशंका जताई है। इस दौरान कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी संभावना है। विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

———बाईट———

इधर, पिछले चौबीस घंटों के दौरान वाल्मीकिनगर में सबसे अधिक दो सौ तीस दशमलव छह मिलीमीटर बारिश हुयी है। वहीं, चपनटिया में दो सौ तेरह, मोतिहारी में दो सौ तीन और गौनाहा में एक सौ छियासी मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गयी।

———————————————————————

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ चौदहवीं होगी। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा। इसके साथ ही यह आकाशवाणी वेबसाइट तथा न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल एप पर भी उपलब्ध होगा। मन की बात कार्यक्रम का आकाशवाणी, दूरदर्शन समाचार, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी सीधा प्रसारण होगा। मन की बात कार्यक्रम के तुरंत बाद मैथिली भाषा में इसका प्रसारण आकाशवाणी के दरभंगा केन्द्र से किया जायेगा। इसी प्रसारण को दोबारा रात्रि आठ बजे से भी सुना जा सकता है।

———————————————————————

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। श्री कुमार ने विशेष भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालयों लंबित दाखिल–खारिज और परिमार्जन के मामलों का अभियान चलाकर तेजी से निष्पादन किया जाए।

———————————————————————

राज्य में सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिए पौधे और बीज किसानों को पचहत्तर प्रतिशत अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। सब्जी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चंडी नालंदा, भोजपुर और कटिहार की नर्सरी से शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन, तरबूज और खरबूज के पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। कृषि विभाग ने दो हजार चौबीस–पच्चीस में राज्य योजना मद से सब्जी विकास योजना को स्वीकृति दी है। किसान horticulture.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

———————————————————————

अब पटना से प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्रों की सुर्खियां.....

आज के सभी समाचार पत्रों ने अलग–अलग खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

हिन्दुस्तान ने बाढ़ के कारण नदियों के संरचना में फेर–बदल होने को बड़ी खबर बनाया है। अखबार लिखता है– नदियों में ताजा उफान से गाद बढ़ेगा। तल ऊंचा होगा। कोसी, गंडक में अप्रत्याशित जल का दूरगामी प्रभाव पड़ना तय। दोनों नदियों में एक साथ पहली बार आया इतना पानी।

दैनिक जागरण ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हवाले से लिखा है– भू–धारकों को डाक्यूमेंट अपलोड करने के लिए अधिक समय दिया जाए।

दैनिक भास्कर की बड़ी खबर है– एंटीबायोटिक्स बेअसर होने से इलाज भी महंगा। निमोनिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों से खतरा बढ़ा।

प्रभात खबर ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक निर्देश पर लिखा है– ब्रेन डेड घोषित मरीजों का लाईफ सपोर्ट हटा सकते हैं, डॉक्टर।

आज अखबार की सुर्खी है–यूनिवर्सिटी–कॉलेजों में एकमुश्त मिलेगी तीन महीनों के वेतन–पेंशन की राशि।

———————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर.....

01. कोसी और गंडक बराज से बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के बाद बाढ़ की आशंका के मद्देनजर तेरह जिलों में हाई अलर्ट। कई निचले इलाकों में फैला बाढ़ का पानी।

02. कोसी बराज पर दबाव के बाद वीरपुर में भारत–नेपाल सीमा पर आवागमन रोका गया। शिवहर में बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर पहुंचा।

03. मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वज्रपात की आशंका को देखते हुये लोगों से सतर्कता बरतने की अपील।

04. और, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।

———————————————————

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।